

SET-3**Series SSO**कोड नं. **61/3**
Code No.रोल नं.

--	--	--	--	--	--	--

Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10 + 1** मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **10** printed pages and **1** Map.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **18** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास**HISTORY**

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

Time allowed : 3 hours

Maximum Marks : 80

61/3

1

P.T.O.

सामान्य निर्देश :

- (i) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं ।
- (ii) प्रश्न संख्या 1 से 3 दो अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।
- (iii) प्रश्न संख्या 4 से 9 चार अंकों वाले हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । विद्यार्थियों को इस खण्ड से केवल पाँच प्रश्नों को हल करना चाहिए ।
- (iv) प्रश्न संख्या 10 मूल्य आधारित प्रश्न है और अनिवार्य है, यह प्रश्न भी चार अंक का है ।
- (v) प्रश्न संख्या 11 से 14 आठ अंकों वाले हैं । इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 350 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । विद्यार्थियों को इस खण्ड से किन्हीं तीन प्रश्नों को हल करना चाहिए ।
- (vi) प्रश्न संख्या 15 से 17 स्रोत आधारित हैं । इनमें कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है ।
- (vii) प्रश्न संख्या 18 मानचित्र सम्बन्धी है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्वपूर्ण मदों को दर्शाना शामिल है । मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए ।

General Instructions :

- (i) Answer **all** the questions. Some questions have choice. Marks are indicated against each question.
- (ii) Answer to questions no. 1 to 3 carrying 2 marks should not exceed 30 words each.
- (iii) Answer to questions no. 4 to 9 carrying 4 marks should not exceed 100 words each. Students should attempt only **five** questions in this section.
- (iv) Question no. 10 (for 4 marks) is a value based question and **compulsory**.
- (v) Answer to questions no. 11 to 14 carrying 8 marks should not exceed 350 words each. Students should attempt only **three** questions from this section.
- (vi) Questions no. 15 to 17 are source based questions and have no internal choice.
- (vii) Map question 18 includes identification and significance test items. Attach the map with the answer-book.

खण्ड क
PART A

नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

Answer **all** the questions given below :

1. कुषाण शासकों ने अपनी उच्च स्थिति के उदाहरण को किस प्रकार प्रस्तुत किया ? 2
How did Kushana rulers exemplify themselves with the high status ?
2. 'गुरु नानक देवजी का संदेश दैवत्व पर आधारित था ।' इसके किन्हीं दो पहलुओं का उल्लेख कीजिए । 2
'The message of Guru Nanak Devji was based on divinity.' Mention any two aspects of it.
3. उस क्षेत्र का नाम लिखिए जहाँ 18वीं शताब्दी के दौरान लॉटरी कमेटी द्वारा नगर-नियोजन की शुरुआत की गई थी । उसकी किसी एक विशेषता का उल्लेख कीजिए । 2
Name the region where the Lottery Committee initiated town planning during the 18th century. Mention any one feature of it.

खण्ड ख
PART B

अनुभाग I
SECTION I

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Answer any **five** of the following questions :

4. कृष्णदेव राय के देहान्त के उपरान्त विजयनगर के शाही शासन का पतन क्यों हुआ ? 4
Why did the imperial power of Vijayanagara decline after the death of Krishnadeva Raya ?
5. अमेरिकी गृह युद्ध के दौरान भारत में आई कपास की तेज़ी के प्रभावों का विश्लेषण कीजिए । 4
Analyse the impact of cotton boom in India during the American Civil War.

6. चन्हुदड़ो में शिल्प उत्पादन के विशिष्ट अभिलक्षणों को स्पष्ट कीजिए । 4
Explain the exclusive features of the craft production in Chanhudaro.
7. 'इतिहासकारों ने मुगल साम्राज्य की पड़ोसी राजनीतिक शक्तियों के साथ राजनयिक रिश्तों और संघर्षों का विवरण दिया है ।' सविस्तार व्याख्या कीजिए । 4
'Historians have provided accounts of diplomatic relationships and conflicts with the neighbouring political powers of the Mughal Empire.' Elaborate.
8. इतिहासकारों ने मौर्य साम्राज्य के इतिहास की पुनर्रचना के लिए विभिन्न प्रकार के स्रोतों का उपयोग किया है । ऐसे किन्हीं चार स्रोतों का उल्लेख कीजिए । 4
Historians have used a variety of sources to reconstruct the history of the Mauryan Empire. State any four such sources.
9. 1857 के विद्रोहियों को दबाने के लिए अंग्रेजों द्वारा अपनाई गई दमनकारी नीतियों की परख कीजिए । 4
Examine the repressive measures adopted by the British to subdue the rebels of 1857.

अनुभाग II

SECTION II

मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य)

Value Based Question (Compulsory)

10. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए :
डॉ. खुशदेव सिंह ने अपने कामों का बयान करते हुए लिखा है कि "एक इन्सान होने के नाते बिरादर इन्सानों के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वाह करते हुए मेरी छोटी सी कोशिश ।"
"प्रेम द्वेष से मज़बूत होता है ।" इस मूल्य का सत्य भारत के विभाजन के समय किस प्रकार सिद्ध हुआ ? वे कौन-से मूल्य हैं, जिनके अविरत प्रयास से सिखाने और विकसित करने से द्वेष से बचा जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए । 1+3=4

Read the following passage and answer the question that follows :

Dr. Khushdeva Singh describes his work as "humble efforts I made to discharge my duty as a human being to fellow human beings."

"Love is stronger than hate." How true is this value which was proved at the time of the partition of India ? What are the values one needs to instill and nurture to avoid hatred ? Explain.

खण्ड ग
PART C

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Answer any **three** of the following questions :

11. “औपनिवेशिक बम्बई की स्थापत्य-कला शाही सत्ता, राष्ट्रवाद और धार्मिक वैभव के विचारों का प्रतिनिधित्व करती थी।” इस कथन की उदाहरणों सहित पुष्टि कीजिए। 8
“The architecture in colonial Bombay represented ideas of imperial power, nationalism and religious glory.” Support the statement with examples.
12. “1930 की नमक यात्रा वह पहली घटना थी जिसके चलते महात्मा गाँधी दुनिया की नज़र में आए।” स्वराज के लिए इस आन्दोलन के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। 8
“The Salt March of 1930 was the first event that brought Mahatma Gandhi to world attention.” Explain the significance of this movement for Swaraj.
13. मुगल काल में जंगल में रहने वाले लोगों के जीवन का वर्णन कीजिए। 8
Describe the life of forest dwellers in the Mughal era.
14. सुत्त-पिटक ने बौद्ध दर्शन की पुनर्रचना किस प्रकार की है ? बौद्ध त्रिपिटक के बारे में उल्लेख कीजिए। 5+3=8
How did Sutta-Pitaka reconstruct the philosophy of Buddhism ? Mention about Buddhist Tipitaka.

खण्ड घ
PART D

स्रोत आधारित प्रश्न
Source Based Questions

15. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

सती बालिका

यह संभवतः बर्नियर के वृत्तांत के सबसे मार्मिक विवरणों में से एक है :

लाहौर में मैंने एक बहुत ही सुन्दर अल्पवयस्क विधवा जिसकी आयु मेरे विचार में बारह वर्ष से अधिक नहीं थी, की बलि होते हुए देखी। उस भयानक नर्क की ओर जाते हुए वह असहाय छोटी बच्ची जीवित से अधिक मृत प्रतीत हो रही थी; उसके मस्तिष्क की व्यथा का वर्णन नहीं किया जा सकता; वह काँपते हुए

बुरी तरह से रो रही थी; लेकिन तीन या चार ब्राह्मण, एक बूढ़ी औरत, जिसने उसे अपनी आस्तीन के नीचे दबाया हुआ था, की सहायता से उस अनिच्छुक पीड़िता को जबरन घातक स्थल की ओर ले गए, उसे लकड़ियों पर बैठाया, उसके हाथ और पैर बाँध दिए ताकि वह भाग न जाए और इस स्थिति में उस मासूम प्राणी को ज़िन्दा जला दिया गया। मैं अपनी भावनाओं को दबाने में और उनके कोलाहलपूर्ण तथा व्यर्थ के क्रोध को बाहर आने से रोकने में असमर्थ था ...

- (15.1) बर्नियर ने इस व्यवहार को पूर्वी और पश्चिमी समाजों की भिन्नताओं का अत्यंत महत्त्वपूर्ण पहलू क्यों माना है ? 3
- (15.2) भारतीय पितृतात्मक समाज इस सामाजिक कुप्रथा में क्या भूमिका अदा करता है ? 2
- (15.3) उपर्युक्त उल्लिखित काल में औरतों की स्थिति की तुलना आज के सन्दर्भ में कीजिए। 2

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

The child sati

This is perhaps one of the most poignant descriptions by Bernier :

At Lahore, I saw a most beautiful young widow sacrificed, who could not, I think, have been more than twelve years of age. The poor little creature appeared more dead than alive when she approached the dreadful pit: the agony of her mind cannot be described; she trembled and wept bitterly; but three or four of the Brahmanas, assisted by an old woman who held her under the arm, forced the unwilling victim toward the fatal spot, seated her on the wood, tied her hands and feet, lest she should run away, and in that situation the innocent creature was burnt alive. I found it difficult to repress my feelings and to prevent their bursting forth into clamorous and unavailing rage ...

- (15.1) Why did Bernier consider this treatment as a crucial marker of the difference between western and eastern societies ?
- (15.2) What role did the Indian patriarchal society play towards this social evil ?
- (15.3) Compare the condition of the women of the era mentioned above to that of today.

16. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

‘उचित’ सामाजिक कर्तव्य

महाभारत के *आदिपर्वन्* से एक कहानी उद्धृत है :

एक बार ब्राह्मण द्रोण के पास, जो कुरु वंश के राजकुमारों को धनुर्विद्या की शिक्षा देते थे, एकलव्य नामक वनवासी निषाद (शिकारी समुदाय) आया। द्रोण ने, जो धर्म समझते थे, उसे शिष्य के रूप में स्वीकार करने से मना कर दिया। एकलव्य ने वन में लौट कर मिट्टी से द्रोण की प्रतिमा बनाई तथा उसे अपना गुरु मानकर वह स्वयं ही तीर चलाने का अभ्यास करने लगा। समय के साथ वह तीर चलाने में सिद्धहस्त हो गया। एक दिन कुरु राजकुमार अपने कुत्ते के साथ जंगल में शिकार करते हुए एकलव्य के समीप पहुँच गए। कुत्ता काले मृग की चमड़ी के वस्त्र में लिपटे निषाद को देखकर भौंकने लगा। क्रोधित होकर एकलव्य ने एक साथ सात तीर चलाकर उसका मुँह बंद कर दिया। जब वह कुत्ता लौटा तो पांडव तीरंदाजी का यह अद्भुत दृश्य देखकर आश्चर्यचकित हो गए। उन्होंने एकलव्य को तलाशा, उसने स्वयं को द्रोण का शिष्य बताया।

द्रोण ने अपने प्रिय शिष्य अर्जुन से एक बार यह कहा था कि वह उनके सभी शिष्यों में अद्वितीय तीरंदाज बनेगा। अर्जुन ने द्रोण को उनका यह प्रण याद दिलाया। द्रोण एकलव्य के पास गए जिसने उन्हें अपना गुरु मानकर प्रणाम किया। तब द्रोण ने गुरु दक्षिणा के रूप में एकलव्य से उसके दाहिने हाथ का अँगूठा माँग लिया। एकलव्य ने फ़ौरन गुरु को अपना अँगूठा काट कर दे दिया। अब एकलव्य तीर चलाने में उतना तेज़ नहीं रहा। इस तरह द्रोण ने अर्जुन को दिए वचन को निभाया : कोई भी अर्जुन से बेहतर धनुर्धारी नहीं रहा।

- (16.1) द्रोण ने एकलव्य को अपना शिष्य बनाने के लिए मना क्यों किया ? 2
- (16.2) एकलव्य की अपने गुरु की माँग पर क्या प्रतिक्रिया थी ? 2
- (16.3) दिए गए अनुच्छेद में उल्लिखित *गुरु-शिष्य परम्परा* के दो वृत्तांतों का उल्लेख कीजिए। 3

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

“Proper” social roles

Here is a story from the *Adi Parvan* of the *Mahabharata* :

Once Drona, a Brahmana who taught archery to the Kuru princes, was approached by Ekalavya, a forest-dwelling *nishada* (a hunting community). When Drona, who knew the *dharma*, refused to have him as his pupil, Ekalavya returned to the forest, prepared an image of Drona out of clay, and treating it as his teacher, began to practise on his own. In due

course, he acquired great skill in archery. One day, the Kuru princes went hunting and their dog, wandering in the woods, came upon Ekalavya. When the dog smelt the dark *nishada* wrapped in black deer skin, his body caked with dirt, it began to bark. Annoyed, Ekalavya shot seven arrows into its mouth. When the dog returned to the Pandavas, they were amazed at this superb display of archery. They tracked down Ekalavya, who introduced himself as a pupil of Drona.

Drona had once told his favourite student Arjuna, that he would be unrivalled amongst his pupils. Arjuna now reminded Drona about this. Drona approached Ekalavya, who immediately acknowledged and honoured him as his teacher. When Drona demanded his right thumb as his fee, Ekalavya unhesitatingly cut it off and offered it. But thereafter, when he shot with his remaining fingers, he was no longer as fast as he had been before. Thus, Drona kept his word : no one was better than Arjuna.

- (16.1) Why did Drona refuse to have Ekalavya as his pupil ?
 (16.2) How did Ekalavya react to the demand of his Guru ?
 (16.3) Mention two versions of *Guru-Shishya Parampara* mentioned in the given extract.

17. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

“अंग्रेज़ तो चले गए, मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए”

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था :

यह दोहराने का कोई मतलब नहीं है कि हम पृथक निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है । यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं । हम सालों से यह सुन रहे हैं और इसी आंदोलन के कारण अब हम एक विभाजित राष्ट्र हैं ... । क्या आप मुझे एक भी स्वतंत्र देश दिखा सकते हैं जहाँ पृथक निर्वाचिका हो ? अगर आप मुझे दिखा दें तो मैं आपकी बात मान लूँगा । लेकिन अगर इस अभागे देश में विभाजन के बाद भी पृथक निर्वाचिका की व्यवस्था बनाए रखी गई तो यहाँ जीने का कोई मतलब नहीं होगा । इसलिए मैं कहता हूँ कि यह सिर्फ मेरे भले की बात नहीं है बल्कि आपका भला भी इसी में है कि हम अतीत को भूल जाएँ । एक दिन हम एकजुट हो सकते हैं ... । अंग्रेज़ तो चले गए, मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए हैं । हम इस शरारत को और बढ़ाना नहीं चाहते । (सुनिए, सुनिए) । जब अंग्रेज़ों ने यह

विचार पेश किया था तो उन्होंने यह उम्मीद नहीं की थी कि उन्हें इतनी जल्दी भागना पड़ेगा। उन्होंने तो अपने शासन की सुविधा के लिए यह किया था। खैर, कोई बात नहीं। मगर अब वे अपनी विरासत पीछे छोड़ गए हैं। अब हम इससे बाहर निकलेंगे या नहीं ?

संविधान सभा बहस, खंड 5

- (17.1) पृथक निर्वाचिका को एक बुराई क्यों माना गया है ? 2
- (17.2) सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा राजनीतिक एकता और राष्ट्र की स्थापना करने के लिए दिए गए तर्कों का उल्लेख कीजिए। 3
- (17.3) पृथक निर्वाचिका की धारणा ने पृथक देश को कैसे अंजाम दिया ? 2

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

“British element is gone but they have left the mischief behind”

Sardar Vallabh Bhai Patel said :

It is no use saying that we ask for separate electorates, because it is good for us. We have heard it long enough. We have heard it for years, and as a result of this agitation we are now a separate nation ... Can you show me one free country where there are separate electorates ? If so, I shall be prepared to accept it. But in this unfortunate country if this separate electorate is going to be persisted in, even after the division of the country, woe betide the country; it is not worth living in. Therefore, I say, it is not for my good alone, it is for your own good that I say it, forget the past. One day, we may be united ... The British element is gone, but they have left the mischief behind. We do not want to perpetuate that mischief. (Hear, hear). When the British introduced this element they had not expected that they will have to go so soon. They wanted it for their easy administration. That is all right. But they have left the legacy behind. Are we to get out of it or not ?

CAD, VOL.V

- (17.1) Why are separate electorates considered as a mischief ?
- (17.2) State the arguments given by Sardar Vallabh Bhai Patel for building political unity and forging a nation.
- (17.3) How did the philosophy of separate electorates result in a separate nation ?

खण्ड ड
PART E

(मानचित्र प्रश्न / Map Question)

18. (18.1) भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 11 पर), पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइए तथा उनके नाम लिखिए : 2
- (क) धोलावीरा
(ख) आगरा – मुगलों का राजधानी शहर
- (18.2) भारत के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर, 1857 के विद्रोह से संबंधित तीन केन्द्र A, B और C अंकित किए गए हैं। उन्हें पहचानिए तथा उनके सही नाम उनके समीप खींची गई रेखाओं पर लिखिए। 3
- (18.1) On the given political outline map of **India** (on Page 11), locate and label the following with appropriate symbols :
- (a) Dholavira
(b) Agra – the capital city of Mughals
- (18.2) On the same outline map of **India**, three centres related to the Revolt of 1857 have been marked as A, B and C. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them.

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्र. सं. 18 के स्थान पर हैं :

Note : The following questions are for **Visually Impaired Candidates only** in lieu of Q. No. 18 :

- (18.1) मुगल साम्राज्य के किन्हीं दो राजधानी शहरों का उल्लेख कीजिए। 2
- (18.2) 1857 के विद्रोह से संबंधित किन्हीं तीन महत्वपूर्ण स्थानों का उल्लेख कीजिए। 3
- (18.1) Mention any two capital cities of the Mughal Empire.
- (18.2) Mention any three important places related with the Revolt of 1857.

प्रश्न सं. 18.1 और 18.2 के लिए

For question no. 18.1 and 18.2

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)
Outline Map of India (Political)

